OM 22 MAHARASHTRA final_Page 1 and 2 18/02/2015 17:49 Page 7

सिकंदराबाद। सेवाकेन्द्र की सिल्वर ज्युबली के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी। साथ हैं ब्र.कु. मृत्युंजय,उपाध्यक्ष,शिक्षा प्रभाग, वी. ईश्वरैय्या,पूर्व न्यायाधीश,उच्च न्यायालय तथा आंध्र प्रदेश से शरीक हुए मंत्रीगण।

आपसे कुछ गलत को काट जाएगा ''ध्यान''

विगत वर्ष दुनिया के बायोलॉजिस्टों की, जीवनशास्त्रियों की एक कॉन्फ्रेन्स में ब्रिटिश बायोलॉजिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष बादकुन ने एक वक्तव्य दिया था। उन्होंने उस वक्तव्य में बड़ी महत्वपूर्ण बात कही, जो एक वैज्ञानिक के मुंह से बड़ी अद्भुत बात है। उन्होंने कहा कि मनुष्य के जीवन का विकास किन्हीं नई चीज़ों का संवर्धन नहीं है, नथिंग न्यू एडेड, वरन कुछ पुरानी बाधाओं का गिर जाना है, ओल्ड हिंडरेंसेस गॉन। मनुष्य के विकास में कुछ जुड़ा नहीं है, मनुष्य के भीतर जो छिपा है...कोई भी चीज़ प्रकट होती है, तो सिर्फ बीच की बाधाएं भर अलग होती हैं। पशुओं में और मनुष्य में विचार करें, तो मनुष्य के भीतर पशुओं से कुछ ज्यादा नहीं है, बल्कि कुछ कम है। पशु के ऊपर जो बाधाएं हैं, वे मनुष्य से गिर गई हैं; और पशु के भीतर जो छिपा है, वह मनुष्य में प्रकट हो गया है।

एक बीज में और फूल में, फूल में बीज से ज्यादा नहीं है, कुछ कम है। यह बहुत उल्टा मालूम होता है, लेकिन यही सच है। बीज में जो बाधाएं थीं, वे गिर गई हैं और फूल प्रकट हो गया है। पौधों में पशुओं से कुछ ज्यादा है, बाधाएं ज्यादा हैं, हिंडरेंसेस ज्यादा हैं। वे गिर जाएं तो पौधे पशु हो जाएंगे। पशुओं की बाधाएं गिर जाएं तो पशु मनुष्य हो जाएंगे। मनुष्य की बाधाएं गिर जाएं, फिर जो शेष रहता है, उसका नाम देवात्मा है। अगर समस्त बाधाएं गिर जाएं और जो छिपा है वह पूरी तरह से प्रकट हो जाए, तो उस शक्ति को हम जो भी नाम देना चाहें– आत्मा, देवात्मा या कोई भी नाम न देना चाहे तो भी चल सकता है। मनुष्य में भी अभी बाधाएं मौजूद हैं, इसलिए मनुष्य के विकास की अभी संभावना है।

बादकुन को अभ्यास से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन उसका वक्तव्य ठीक वैसा ही है, जैसा पच्चीस सौ वर्ष पहले बुद्ध ने अपने ज्ञान की घटना के समय दिया था।

जिस दिन बुद्ध को पहली बार ज्ञान हुआ

तो लोगों ने उनसे पूछा, आपको क्या मिल गया है? तो बुद्ध ने कहा, मुझे मिला कुछ भी नहीं, जो मेरे ही भीतर था वह प्रकट हो गया है। मुझे मिला कुछ भी नहीं, जो मेरे ही पास था, मुझे ज्ञात हो गया है। मुझे मिला तो कुछ भी नहीं, जो मैं था ही और जिसके प्रति मैं सोया था, उसके प्रति मैं जाग गया हूँ। बल्कि बुद्ध ने यह भी कहा कि तुम्हें मैं यह भी कह दूँ कि कुछ मेरे पास था ज़रूर वो खो गया है। अज्ञान था, वह खो गया है; नासमझी थी, वह खो गई है। और जो मुझे मिला है, अब मैं कह सकता हूँ, वह मेरे पास था ही, लेकिन सिर्फ मैं अपरिचित था।

बादकुन और बुद्ध के वक्तव्यों में फर्क नहीं है। लेकिन बादकुन का वक्तव्य मनुष्य से पिछड़े हुए प्राणियों के संबंध में दिया गया है और बुद्ध का वक्तव्य मनुष्य से आगे गए व्यक्तियों के संबंध में दिया गया है।

ध्यान की प्रक्रिया आपको किसी नये जगत में नहीं ले जाती, सिर्फ उसी जगत से परिचित करा देती है जहां आप जन्मों-जन्मों से हैं ही। ध्यान की प्रक्रिया आपमें कुछ जोड़ती नहीं है, कुछ गलत काट देती है, गिरा देती है, समाप्त कर देती है।

एक मूर्तिकार को कोई पूछ रहा था कि तुमने यह मूर्ति बहुत सुंदर बनाई! तो उस मूर्तिकार ने कहा, मैंने बनाई नहीं है, मैं तो उस रास्ते से गुज़रता था और इस पत्थर में छिपी मूर्ति ने मुझे पुकार लिया। मैंने जो व्यर्थ पत्थर इसमें जुड़े थे, उन्हें भर अलग कर दिया है और मूर्ति प्रकट हो गई। मैंने कुछ जोड़ा नहीं, कुछ घटाया है। बेकार पत्थर जो मूर्ति के चारो तरफ जुड़े थे, उन्हें मैंने छांट दिया है और मूर्ति जो छिपी थी वह प्रकट हो गई।

मनुष्य के भीतर जो छिपा है, कुछ गलत जुड़ा है, उसे काट देने से प्रकट हो जाता है। देवात्मा मनुष्य से भिन्न कुछ नहीं है, मनुष्य के भीतर छिपी ऊर्जा, एनर्जी का नाम है। लेकिन जैसे हम हैं, उसमें बहुत मिट्टी मिली है सोने में। थोड़ी मिट्टी छंट सके तो सोना प्रकट हो सकता है।

तो ध्यान के संबंध में पहली बात जो मैं आपको कह दूँ, वह यह कि आप अपने ध्यान के विकास में अंतिम क्षणों में भी जो होंगे, वह आप अभी, इस क्षण में भी हैं। ध्यान आप में कुछ जोड़ नहीं जाएगा, सिर्फ घटा जाएगा। आपसे कुछ गलत को काट जाएगा, कुछ व्यर्थ को अलग कर जाएगा। और जो सार्थक है वह पूरी तरह से प्रकट होने की सुविधा पा सकेगा। नथिंग समथिंग न्यू एडेड– नहीं कुछ नया जुड़ेगा, सिर्फ पुरानी बाधाएं गिर जाएंगी।

प्रेम और दृढ़ता... पेज 1 का शेष... वाले एक आदर्श नेता हैं।

व्यर्थ विचार से काफी एनर्जी हो जाती व्यर्थ - रंजना कुमार

पूर्व सतर्कता आयुक्त श्रीमती रंजना कुमार ने कहा कि चंद्रबाबू नायडू जी के नाम के साथ प्रगति और विकास का नाम जुड़ा हुआ है। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ को जो स्थान उपलब्ध कराके दिया यह उनकी दूरदर्शिता का परिचायक है। चार साल पहले हम ब्रह्माकुमारीज़ के संपर्क में आये तब से हम तनावमुक्त, खुशनुमा जीवन का अनुभव कर रहे हैं। हम सोचते थे कि रिटायरमेंट के बाद ऐसे मार्ग से जुड़ना चाहिए। परंतु हमने यह जाना कि अपने-अपने व्यवसाय में रहते हुए भी हम इस संस्था से जुड़े रहेंगे तो हमें ज्यादा लाभ होगा। मैंने यहाँ आकर सीखा कि हम अपने विचारों को चेक करते रहें। जैसे कम्प्युटर में राँग फाइल डिलीट करते हैं उसी प्रकार व्यर्थ विचार से काफी एनर्जी व्यर्थ हो जाती है जिसे हमें भी डिलीट कर देना है। 45 वर्षों से हम सरकारी सर्विस में थे उस समय अनेक प्रकार की समस्याओं का समाधान लेना, निर्णय लेना काफी कठिन काम था परंतु जब से ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़े हैं तब से हर समस्या का सहज ही हल प्राप्त होता है।तेलंगाना,हैदराबाद स्थित ब्रह्माकुमारीज़ के शान्तिसरोवर रिट्रीट सेंटर का दशाब्दि समारोह बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री भ्राता चंद्रबाबू नायडू जी,राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी जी, ब्रह्माकुमारीज़ की आंध्रा, तेलंगाना और महाराष्ट्र की ज़ोन प्रभारी ब्र.कु.संतोष, राज्यमंत्री वाय.एस. चौधरी, एन.सी.बी.सी. के अध्यक्ष जस्टिस ईश्वरैय्या, विनुकोण्डा के विधायक जी.अंजनेयुलु, गीतम विश्वविद्यालय के अध्यक्ष एम. मूर्ति, पूर्व सी.बी.आई. निर्देशक डॉ.कार्तिकेयन, ब्रह्माकुमारीज़ शान्तिवन के प्रभारी ब्र.कु.भूपाल और शान्तिसरोवर की निदेशिका ब्र.कु.कुलदीप उपस्थित थे।

शांतिवन। ''रेडियो मधुबन 90.4 एफ.एम. की चौथी वर्षगांठ पर दीप प्रज्वलित करते हुए प्लानिंग कमिशन के ज्वाइंट सेक्रेट्री देबब्रत दास, प्रसिद्ध गायिका हमसिका अय्यर, बी.डी.ओ. मनोहर विष्णोई, म्युनिसिपल चेयरमैन सुरेश थिंगर, ब्र.कु. डॉ निर्मला, जस्टिस वी. ईश्वरैय्या, ब्र.कु. रमेश शाह, ब्र.कु.आशा, ब्र.कु.करुणा व ब्र.कु.यशवंत।

गुलबर्गा-कर्नाटक। योग भट्ठी के उद्घाटन अवसर मंच पर उपस्थित हैं ब्र.कु.भूपाल,माउण्ट आबू, ब्र.कु.विजया, ब्र.कु.प्रेम, ब्र.कु.दीपक व अन्य।

हाथरस। उपजिलाधिकारी ब्रजकिशोर दूबे को आध्यात्मिक पुस्तक भेंट करते हुए ब्र.कु. शान्ता।

ग्वालियर-म.प्र.। केन्द्रीय विद्यालय में ''समय प्रबंधन एवं शांति शिक्षा' विषय पर शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश भर से आये हिन्दी शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. चेतना।

नागपुर-कामठी। पत्रकारों के लिए आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में पत्रकार संघ के अध्यक्ष उज्ज्वल रायबोले, वरिष्ठ पत्रकार सुदामजी राखडे, ब्र.कु. शीलू, ब्र.कु. प्रेमलता तथा पत्रकार गण।

कोल्हापुर-रुकाड़ी(महा.)। 'राजयोग सभागृह' के उद्घाटन पश्चात् समूह चित्र में विधायक डॉ. सुजीत मिंचेकर, जेड.पी. के सदस्य धैर्यशील माणे, सरपंच, डिप्युटी सरपंच, पंचायत समिति के सभापति, ब्र.कु. सुनीता, ब्र.कु. आशा, ब्र.कु. विट्ठल तथा अन्य।

लॉस ऐंजेल्स। ज्ञानचर्चा के पश्चात् समूह चित्र में पाकिस्तान के काउंसिल जेनरल माननीय हमीद असगर खान, ब्र.कु. गीता, ब्र.कु. हेमा तथा अन्य।